(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government have re- ceived the task force report on deve- loping tourism in the North-East;

(d) if so, the main recommenda-tions of the Committee; and

(e) the Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MI- - NISTER OF TOURISM (SHRI SRI-KANTA KUMAR JENA): (a) Total number of foreign tou- rists ho' visited India during 199were 22,87,860 and it is estimated that about 2968 foreign tourists visited North Eastern States during the same period.

(b) The tourism development in this region is constrained by infrastructural deficiencies entry restrictions, image of insecurity inadequate publicity, etc.

(c) to (e) The Task Force constituted by the Department of Tourism has recommended improvement C- infrastructural facilities including air access, development of specific tourist destinations, human resource development and effective promotional efforts. The Task Force has also identified a number of proje.cts for tourism development in the region and some of them have been prioritised for Central financial assistance during 1997-98.

Hotel and Catering Management Institute

2321. SHRI RAJNATH SINGH "SURYA": Will the Miiiister of K TOURISM be pleased to state:

(e) whether there are adequate number of institutions of Hotel and Catering Management in India;

(f) if not, reasons therefor;

(g) what are the future plansand steps envisaged by Government to meet the supply-demand gap in this regard; and

(d) how Government would exercise control over the quality of education in private run institutions?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF TOURISM (SHRI SRI-KANTA KUMAR JENA): (a) to (c) Government has set up 19 Institutes of Hbtel Management and Catering Technology and 13 Foodcraft Institutes in collaboration with State Governments in different parts of the country. A large number of Institutes of Hotel Management have also been set up by the private sector, which are approved by All India Council for Technical education and affiliated with various universitieis.

Government is also taking steps to increase the intake capacity in these Institutes and set up new institutes to meet the requirement.

(d) All India Council for Technical Education sets norms and stan-I dards for private Institutes.

गुजरात में पर्यटन उद्योग की उपेक्षा

2322.**श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी** :

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग की दृष्टि से गुजरात के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की उपेक्षा की जा रही

(ख) यदि हां,तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या पात्रागढ़,गिरनार,सामन-गीर,चारेवाड़ होलीडे कैम्प जैसे केन्द्रों की उपेक्षा की गई है और इसकी समुचित देखरेख नहीं की जा रही है;और

(घ) यदि हां,तो उपर्युक्त पर्यटन स्थलों के विकास और विस्तार के लिए कितनी धनराशि खर्च की जाएगी ताकि यहां राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके और इससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिल सके ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना): (क) से (घ) किसी राज्य में पर्यटन केन्द्रों का अभिनिर्धारण तथा विकास करना मुख्यतः सम्बन्धित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी हैं । गुजरात सरकार ने सासनगीर,पावांगढ़,चोरवाड़.पलटाना,विशाल,द्वार का बरवाल,पोरबन्दर,लोयल,आदि में पर्यटन एककों के उपयुक्त रखरखाव के लिए कदम उठाएं हैं ।

मध्य प्रदेश में पर्यटन परिपथ

2323.**श्री राघवजी**: क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश के लिए कौन कौन से पयर्टन परिपय निश्चित किए गए हैं :

(ख) इन पर्यटन परिपथों के विकास हेतु,कौन-कौन सी योजनाएं सरकार के विचारधीन है और इन योजनाओं को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या इन पर्यटन परिपथों में सांची,उदयगिरि,उदयपुर,और भोजपुर को शामिल किया गया है;यदि नहीं,तो क्या भविष्य में इन्हें शामिल किया जाएगा ;और

(घ) यदि हां,तो कब तक और यदि नहीं,तो इसके क्या कारण हैं,

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना): (क) मध्य प्रदेश में गहन विकास के लिए निम्नलिखित दो यात्रा परिपथों की पहचान की है:-

1.ग्वालियर शिवपुरी ओरछा-खजुराहो

2. भोपाल सांची इंदौर उज्जैन-महेश्वर ओंकारेश्वर-ममांडू

(ख) से (घ) राज्य सरकार के परामर्श से वर्ष 1997-98के दौरान 15300 लाख रूपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता हेतु उपरोक्त परिपथों में निम्नलिखित परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है :-

(1) ओरछा में ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन ।

(2) खजुराहो और ओरछा में जल-क्रीड़ा सुविधाएं ।

(3) सांची में पर्यटक स्वागत केन्द्र ।

(4) सांची-मांडू के लिए आडियों गाइड

(5) मांडू एंव ओरछा उत्सव

नए केन्द्रों और परिपथों की पहचान करना और विकास करना मुख्यतया राज्य सरकार की जिम्मेदारी है फिलहाल मौजूदा परिपथों का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन

2324.**श्री राघवजी**: क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि:

(क) क्या केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश में साहसिक पयर्टन को बढ़ावा देने के लिए कोई सहायता प्रदान करती है,यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;और

(ख) यदि नहीं,तो उसके क्या कारण हैं और क्या भविष्य में मध्य प्रदेश में साहसिक पयर्टन को बढ़वा देने हेतु कोई सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाएगा ?